	1	2	3	4
साधारण इस्पात के बार और राड	844	1,126	946	813
साधारण इस्पात के संरचनात्मक	874	1,147	944	1,008
रेल की पटरियां	858	997	—	—

रायबरेली में रूस के सहयोग से उद्योगों की स्थापना

61. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या औद्योगिक विकास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रायबरेली में रूस के सहयोग से एक कारखाना स्थापित किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में किए गये करार की मुख्य मुख्य बातें क्या हैं ;

(ग) क्या उत्तर प्रदेश में किसी अन्य जगह भी रूस के सहयोग से कोई कारखाना स्थापित करने का विचार है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

औद्योगिक विकास मन्त्री (श्री मोइनुल हक चौधरी) : (क) और (ख). मे० इनसोव आटो लि० कलकत्ता को उत्तर प्रदेश, रायबरेली म वी० ओ० ओमाश एक्सपोर्ट, मास्को के सहयोग से 12,000 हल्की व्यापारिक गाड़ियां प्रतिवर्ष बनाने की क्षमता का एक नया औद्योगिक उपक्रम स्थापित करने के लिए आशय-पत्र मंजूर किया गया है। दोनों गैर सरकारी पार्टियों के बीच सहयोग के ब्यौरे को अभी अन्तिम रूप दिया जाना है।

(ग) और (घ). मे० हर्ष ट्रैक्टर्स, नई दिल्ली को 10,000 कृषि ट्रैक्टर (माडल टी-25) बनाने वाली वार्षिक क्षमता वाले एक नए औद्योगिक उपक्रम की स्थापना उत्तर प्रदेश के लोनी नामक स्थान पर करने के लिए एक औद्योगिक लाइसेंस मंजूर किया गया है। जहां तक उत्तर प्रदेश में रूस के सहयोग से किन्हीं अन्य प्रस्तावित कारखानों के स्थापित किए जाने का सम्बन्ध है, उसके बारे में जानकारी इकट्ठी की जा रही है और वह सभा पटल पर रख दी जायेगी।

Rise in Prices of Consumer Goods in Bihar and other States

62. SHRI BHOGENDRA JHA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) the extent of the rise in the prices of consumer goods during the last six months in various states and in Bihar separately ; and

(b) the causes of this price rise and the the steps being taken to check the same ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI MOINUL HAQUE CHOUDHURY) : (a) and (b). A statement showing the trend of retail prices of some important consumer goods at certain centres including Bihar State during August, 1970 to January, 1971 is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT—55/71]. The statement also includes the causes for any notable price rise during the period.

In order to arrest any undue rise in prices of consumer goods, various measures are taken, such as :

(i) sustained efforts to step up the production of agricultural as well as industrial commodities to meet the demand ; imports are also resorted to wherever necessary ;

(ii) building up of buffer stocks of foodgrains etc. ;

(iii) organisation of public distribution system for commodities of mass consumption like foodgrains, sugar and milk ;

(iv) imposition of price controls, statutory as in the case of vanaspati or informal as in case of tyres

and tubes, matches, dry cells, soap etc ;

(v) fair and equitable distribution of essential commodities through regulatory controls under the Essential Commodities Act, 1955 ;

(vi) ensuring availability of essential commodities through cooperative channels, like super bazars, consumer cooperative stores etc ; and

(vii) curbing excess demand through fiscal and monetary measures, such as tightening of bank advances in order to arrest speculative increase in prices.

बिहार के हरिजनों को पीने के पानी की सुविधाएं

63. **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव** : क्या शिक्षा तथा समाज कल्याण मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में हरिजनो और जन जातियो के ऐसे कितने गांव है जिनमे पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध नही है ;

(ख) क्या इन गांवों में रहने वाले लोगो को काफी दूरी से पानी लाना पडता है ; और

(ग) यदि हा, तो सरकार का विचार इन गांवों में कब तक पीने के पानी की सुविधा प्रदान करने का है ?

शिक्षा तथा समाज कल्याण मन्त्री (श्री सिद्धार्थ शंकर राय) : (क) से (ग). जानकारी बिहार सरकार से एकत्रित की जा रही है और प्राप्त होने ही उसे सदन के पटल पर रख दिया जायेगा ।

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची के इन्जीनियरों की मांगें

64. **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव** : क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि हैवी इन्जीनियरिंग कारपोरेशन रांची के इन्जीनियरों की मांगें क्या है और अब तक सरकार ने इस पर क्या कार्यवाही की है ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : यह मामला मुख्यतया भारी इन्जीनियरी निगम लि० राची, के निदेशक मंडल के अधिकार क्षेत्र मे आता है । फिर भी, वास्तविक स्थिति यह है कि कम्पनी के डिप्लोमा धारी इन्जीनियरो ने प्रबन्धको द्वारा अपनी मागे स्वीकार न करने पर हडताल की थी । परन्तु अब उन्होंने बिना किसी शर्त के हड़ताल समाप्त कर दी है और वे अपनी मांगो के बारे मे निदेशक मण्डल का निर्णय स्वीकार करने के लिए राजी हो गए है ।

पूर्वोत्तर रेलवे में काम कर रहे नैमित्तिक श्रमिकों को स्थायी न बनाया जाना

65 **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव** : क्या रेलवे मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे में नैमित्तिक श्रमिक को तीन चार वर्ष की सेवा के बावजूद भी स्थायी नही किया जाता है ;

(ख) पूर्वोत्तर रेलवे में काम कर रहे ऐसे नैमित्तिक श्रमिको की संख्या कितनी है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कटिहार-बीहपुर सैक्शन में काम कर रहे हजारों नैमित्तिक श्रमिको को स्थायी नहीं किया जा रहा है ; और

(घ) यदि हा, तो सरकार का विचार उन को कब तक स्थायी बनाने का है ?

रेलवे मन्त्री (श्री हनुमन्तैया) : (क) से (घ). सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।